>

Title: Need to give compensation to flood affected farmers in Punjab.

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : शरद जी, किसानों की बात करने दीजिए।...(व्यवधान) मैडम, मैं आपका शुकराना करती हूं कि आज आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाने का मौका दिया है। आज देशभर में बाढ़ से पीड़ित किसानों के जो हालात हैं, उनके कम्पैनसेशन के बारे में इस हाउस में चर्चा हो, मैं समझती हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण बात है। लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि कल भी जब नियम 193 के अंतर्गत इस विषय पर चर्चा लगी, सरकार ने अपने बिल पास करवाने के लिए किसानों की पीड़ा को पीछे कर दिया। सदन के आखिरी दिनों में जो सबसे जरूरी बात थी, उसके बारे में इस सदन में कोई चर्चा नहीं हुई है। एक तरफ सरकार किसानों के हालात पर खाद्य सुरक्षा आदि कई चीजों के ढोंग करती है, बिल पास कराती है। ...(व्यवधान) लेकिन कई राज्यों में हजारों, लाखों किसानों का जो नुकसान हुआ है, उनके कम्पैनसेशन के बारे में जो चर्चा करनी चाहिए, उसके लिए यहां न ही कोई मंत्री सुनने के लिए मौजूद है और न ही जवाब देने के लिए मौजूद है। मुझे इस बात का बहुत दुख है।

मैडम, आज कई राज्यों में जहां किसानों की लाखों, करोड़ एकड़ की फसल बर्बाद हो गई, वहीं जो कच्चे मकानों में रहते हैं, उनके मकान भी बर्बाद हो गए, उनके पशु भी बर्बाद हो गए और उन्हें जान बचाकर कहां-कहां भागना पड़ रहा है। आप समझ सकती हैं कि उनका भविष्य कैसा होगा। आज वे भुखमरी, बेबसी के साथ ही नहीं जी रहे बल्कि आगे की जिंदगी का भी सामना कर रहे हैं। उन्हें अपना भविष्य अच्छा नजर नहीं आ रहा है।

12.00 hrs.

मैडम, ऐसी हालत में देखा जाये कि सरकार की तरफ से इन पीड़ितों को कैसे कम्पैनसेशन दिया जाता है, तो मैं समझती हूं कि यह जले पर नमक छिड़कने की बात है। एक इंसान को मात्र 20 रुपया दिन का और खाने-पीने के लिए 15 रुपया दिन का कम्पैनसेशन केन्द्र सरकार से मिलता है। यदि किसी का मकान नष्ट हो जाता है, तो उसे केवल 3200 रुपये ...(व्यवधान) बिट्टू जी, जब आप अपने किसानों की पीड़ा अपनी सरकार को नहीं पहुंचा सकते, तो कम से कम जो पहुंचा रहे हैं, उन पर बाधा न लगायें। ...(व्यवधान)

मैडम, सबसे अफसोस की बात है कि जो लाखों की गिनती में ...(व्यवधान) चाहे जितने मर्जी जानवर मिल जायें, आपको सिर्फ एक जानवर ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात पूरी हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : मैडम, यह बहुत जरूरी बात है। आप मुझे दो मिनट बोलने दीजिए। ...(व्यवधान) किसानों को अब तक मुआवजा ...(व्यवधान) मैडम दो मिनट बोलने दीजिए।...(व्यवधान) 40 हजार रुपये एकड़ का उनका खर्चा बनता है, तो कम से कम इस मुआवजे को दिया जाये। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Now, Sk. Saidul Haque.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except the submission being made by Sk. Siadul Haque.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया :

श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री राम सिंह राठवा,

श्रीमती कमला देवी पटले,

श्री सोहन पोटाई,

श्री ए.टी.नाना पाटील,

श्री लालूभाई बाबूभाई पटेल,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री रावसाहेब दादाराव दानवे,

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्रीमती रमा देवी,

श्री अशोक अर्गल,

श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट,

श्री नारनभाई कछाड़िया,

श्री मनसुखभाई डी. वसावा और

श्री गोरखनाथ पाण्डेय अपने आपको श्रीमती हरसिमरत कौर बादल के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

...(*Interruptions*)